श्री कृष्णा जी की आरती

ॐ जय श्री कृष्ण हरे प्रभु जय श्री कृष्ण हरे

भक्तन के दुःख सारे पल में दूर करे ||

ॐ जय श्री कृष्ण हरे प्रभु जय श्री कृष्ण हरे

परमानन्द मुरारी मोहन गिरधारी

जय रस रास बिहारी जय जय गिरधारी ||

ॐ जय श्री कृष्ण हरे प्रभु जय श्री कृष्ण हरे

कर कंकन कोटि सोहत कानन में बाला

मोर मुकुट पीताम्बर सोहे बनमाला ||

ॐ जय श्री कृष्ण हरे प्रभु जय श्री कृष्ण हरे

दीन सुदामा तारे दरिद्रों के दुःख टारे

गज के फंद छुड़ाऐ भव सागर तारे ||

ॐ जय श्री कृष्ण हरे प्रभु जय श्री कृष्ण हरे

हिरन्यकश्यप संहारे नरहरि रूप धरे

पाहन से प्रभु प्रगटे जम के बीच परे ||

ॐ जय श्री कृष्ण हरे प्रभु जय श्री कृष्ण हरे

केशी कंस विदारे नल कूबर तारे

दामोदर छवि सुन्दर भगतन के प्यारे ||

ॐ जय श्री कृष्ण हरे प्रभु जय श्री कृष्ण हरे

काली नाग नथैया नटवर छवि सोहे

फन-फन नाचा करते नागन मन मोहे ||

ॐ जय श्री कृष्ण हरे प्रभु जय श्री कृष्ण हरे

राज्य उग्रसेन पाए माता शोक हरे

द्रुपद सुता पत राखी करुणा लाज भरे ||

ॐ जय श्री कृष्ण हरे प्रभु जय श्री कृष्ण हरे